Approved in BOS Meeting in the Subject of Sanskrit held on

Annexure-I of BOS Meeting

SANSKRIT DEPARTMENT

HIMACHALPRADESHUNIVERSITY

Part –I

OUT LINE OF SYLLABI AND COURSES OF READING

IN THE SUBJECT OF SANSKRITFOR B.A. WITH MAJOR IN SANSKRITAND MINOR ELECTIVE IN SANSKRIT

(2013-2014 onwards)

(A) Structure Outline of Major in SANSKRIT(Minimum Credits to be Earned=56)

Semester	Course Code	Course Type	Course Name	Credit(s)	Cumulated Credits Category-wise
I (Odd)		Compulsory Course I	To be Selected from the list of Compulsory Courses	3	Compulsory – 6 **Core – 8** Elective – 8 GI & H – 1 **Total – 23**
		Compulsory Course II (Skill Based)	To be Selected from the list of Compulsory Courses (Skill Based)	3	
	BASKT 01**01**	Major Core Course I	Hitopdesh Avam Vyakarna	**4**	
	BASKT 01**02**	Major Core Course II	Dharamshastra Tatha Bhariya Sanskriti	**4**	
		Minor Elective Course I (a)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		Minor Elective Course I (b)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		GI and H Course I	To be Selected from the list GI and Hobby Courses	1	
II (Even)		Compulsory Course III	To be Selected from the list of Compulsory Courses	3	Compulsory – 6 (12) **Core – 8 (16)** Elective – 8 (16) GI & H – 1 (2) Total 23 (46)
		Compulsory Course IV(Skill Based)	To be Selected from the list of Compulsory Courses (Skill Based)	3	
	BASKT 02**03**	Major Core Course III	Swapanvasvdatam Avam Vyakarna Bodh	**4**	
	BASKT 02**04**	Major Core Course IV	Sanskrit Mein Vajyanic Sahitya : Samanya Parichya	**4**	

Semester	Course Code	Course Type	Course Name	Credit(s)	Cumulated Credits Category-wise
		Minor Elective Course II (a)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		Minor Elective Course II (b)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		GI and H Course II	To be Selected from the list GI and Hobby Courses	1	
III (Odd)		Compulsory Course V	To be Selected from the list of Compulsory Courses	3	Compulsory – 6 (18) (Complete) **Core – 8 (24)** Elective – 8 (24) GI & H – 1 (3) (Complete) Total 23 (69)
		Compulsory Course VI	To be Selected from the list of Compulsory Courses (Skill Based)	3	
	BASKT 03**05**	Major Core Course V	Raghuvansh tatha Vachya tatha Chand Prakaran	**4**	
	BASKT 03**06**	Major Core Course VI	Pauranik Sahitya	**4**	
		Minor Elective Course III (a)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		Minor Elective Course III(b)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		GI and H Course III	To be Selected from the list GI and Hobby Courses	1	
IV (Even)	BASKT 04**07**	Major Core Course VII	Gita, Shuknaaopdesh Tatha Samas	4	**Core – 12 (36)** Elective – 8 ((32) Core / Elective (additional) – 4 Total 24 (93)
	BASKT 04**08**	Major Core Course VIII	Upnishad Bodh	**4**	
	BASKT 04**09**	Major Core Course IX	Vyakarna Bodh	**4**	
		Minor Elective Course IV (a)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		Minor Elective Course IV (b)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		Core / Elective Course (Additional)*		4	
V (Odd)	BASKT 05**10**	Major Core Course X	Abhigyanshakuntalam Tatha Sanskrit Sahitya ka Itihas	**4**	**Core – 12 (48)** Elective – 8 (40) (Complete)

Semester	Course Code	Course Type	Course Name	Credit(s)	Cumulated Credits Category-wise
	BASKT 05**11**	Major Core Course XI	Bhartiya Darshan	**4**	Core / Elective (additional) – 4 Total 24 (117)
	BASKT 05**12**	Major Core Course XII	Adhunik Sahitya	**4**	
		Minor Elective Course V(a)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		Minor Elective Course V(b)	To be Selected from the list for Minor Elective Subject other than Sanskrit	4	
		Core / Elective Course (Additional)*	Any one of the Additional or open elective courses	4	
VI (Even)	BASKT 06**13**	Major Core Course XIII	Kavyadipika, Nibhandh Avam Pratya Bodh	**4**	**Core – 8 (56)** Core / Elective (additional) – 20* Total 28 (145)
	BASKT 06**14**	Major Core Course XIV	Arthashastra Tatha Dharamshastra	**4**	
		Core / Elective Course (Additional)*	Any one of the Additional or open elective courses	4	
		Core / Elective Course (Additional)*	Any one of the Additional or open elective courses	4	
		Core / Elective Course (Additional)*	Any one of the Additional or open elective courses	4	
		Core / Elective Course (Additional)*	Any one of the Additional or open elective courses	4	
		Core / Elective Course (Additional)*	Any one of the Additional or open elective courses	4	

हिमाचल प्रदेष विष्वविद्यालय, षिमला–171005

पाठ्यक्रम

बी०ए०–संस्कृत (मुख्य कोर)

Major Sanskrit Course

(BA. SKT. 0101)

प्रथम सत्र

प्रथम पत्रः– हितोपदेष एवं व्याकरण बोध पूर्णांक : 50

खण्ड–1 हितोपदेष प्रस्तावना सहित (मित्रलाभ)

हितोपदेश का सामान्य परिचय एंव मित्रलाभ की विस्तृत व्याख्या।

(दो अष्लील कथाओं को छोड़कर)

खण्ड–2 व्याकरण बोध (25)

क) शब्दरूप (5)

राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, फल, मधु, आत्मन्, वाक्, अस्मद्, युस्मद्, तद्(तीनों लिंगों में)। (5)

ख) धातुरूप

पठ्, भू, अस, हन्, दृष्, दिव्, प्रच्छ्, चुर् सेव, पा धातुएं (लट्, लङ्, लट्, लोट् तथा विधिलिङ् लकारों में)।

ग) प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान (5)

घ) स्वर–सन्धि (5)

दीर्घ, गुण, यण्, वृद्धि, अयादि (सूत्र सहित आवष्यक है।)

ड) अनुवाद – पाँच सरल हिन्दी वाक्यों को संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुवाद में पाठ्यपुस्तक से दो सूक्तियों का प्रयोग अनिवार्य होगा।

अनुषंसित ग्रन्थः–

1. संस्कृत व्याकरण –श्रीधर वासिष्ठ
2. लघु सिद्धान्तकौमुदी– शारदारंजन रे, 1954
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–1 महादेव दामोदर साठे, प्रकाषन सखाराम आप्टे, संस्कृत पाठषाला पुणे।
4. हितोपदेष (मित्रलाभ)– नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, दिल्ली अथवा डॉ० भूषण लाल शर्मा नीलम पब्लिषर्ज

द्वितीय पत्र :– **धर्मषास्त्र तथा भारतीय संस्कृति।** **पूर्णांकः 50**

(BA. SKT. 0102)

1. याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय) (25)

   (इसमें हिन्दी व्याख्या एवं विषयपरक प्रष्न पूछे जाएंगे)

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति (25)

   क) पुरूषार्थ– चतुष्ट्य

   ख) ईष्वर जीव प्रकति

   ग) षिक्षा प्रणाली

   घ) वर्णाश्रम व्यवस्था

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व –डॉ० इन्दुमती मिश्रा, भारतीय प्रकाषन चौक कानपुर।
2. एलिमैंन्ट्स ऑफ हिन्दू कल्चर एंड संस्कृत सिविलाइजेषन– पी० के० आचार्य
3. भारतीय संस्कृति –डॉ० षिवदत्त ज्ञानी
4. आर्य संस्कृति के मूलाधार– डॉ० बलदेव उपाध्याय
5. याज्ञवल्क्यस्मृति, याज्ञवल्क्य प्रणीत, मिताक्षर एवं हिन्दी व्याख्या, उमेष चन्द्र पाण्डेय

द्वितीय सत्र

तृतीय पत्रः– स्वप्नवासवदत्तम् एंव व्याकरण बोध **पूर्णांकः50**

(BA. SKT. 0203)

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) सम्पूर्ण (25)

2. व्याकरण बोध (25)

क) शब्दरूप (5)

पति, मातृ, मति, धेनु, वारि, महत्, दण्डिन्, सरित्, जगत्, राजन् एवं सर्व, एतत्, यत्, (सर्व नाम शब्द तीनों लिङ्गों में)।

ख) धातुरूप (5)

पच्, कृ, अद्, तन्, हु, क्री, गम्, धाव्, लिख्, क्रीड्, पत्।

(लट्, लड्, लृट्, लोट् तथा विधिलिंङ् लकारों में)

ग) संज्ञा–प्रकरण (5)

(इत्, लोप, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग एवं पद संज्ञा)

सूत्र स्मरण आवष्यक है।

घ) कारक प्रकरण (सम्पूर्ण) (5)

(लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

ङ) अनुवाद (5)

पांच सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद पूछा जाएगा।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. बृहद्रचनानुवादकौमुदी– कपिलदेव द्विवेदी
2. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. स्वप्नवासवदत्तम् भास, डॉ० डी० के० गुप्त, मेहरचन्द लच्छमणदास, प्रकाषन दिल्ली अथवा एम० आर० काले, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

चतुर्थ पत्रः– संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य : सामान्य परिचय पूर्णांकः50

(BA. SKT. 0204)

(क) गणित –ज्योतिष (10)

(ख) आयुर्वेद (15)

(ग) वास्तुकला (15)

(घ) संस्कृत में पर्यावरण (10)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृत में विज्ञान, डॉ० विद्याधर शर्मा गुलेरी, संस्कृत भारती देहली, 2000.
2- Science in Sanskrit, Sanskrit Bharti, Delhi

तृतीय सत्र

पंचम पत्रः– रघुवंष तथा वाच्य परिवर्तन एवं छन्द–प्रकरण पूर्णांकः 50

(BA. SKT. 0305)

क) रघुवंष (प्रथम सर्ग) (25)

कालिदास एवं रघुवंष का सामान्य परिचय

ख) वाच्य परिवर्तन (10)

(कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य)

ग) छन्द–प्रकरण (वृत्तरत्नाकर) (10)

अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, षिखरिणी, मन्दाक्रान्ता शार्दूलविक्रीडित, वंषस्थ, पंचचामर, वसन्ततिलका।

नोटः– छन्दों के लक्षण, उदाहरण एवं संगति अपेक्षित है।

घ) अनुवाद– सरल अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुंशसित ग्रन्थ

1. रघुवंषम्, कालिदास, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी, दिल्ली।
2. अनुवाद–चन्द्रिका, चक्रधर हंस, मोतीलाल बनारसीदास, जवाहर नगर दिल्ली।
3. वृत्तरत्नाकर

षष्ठ पत्रः– पौराणिक साहित्य

(BA. SKT. 0306) **पूर्णांकः 50**

1. ब्रह्मपुराण 2. श्रीमद्भागवत पुराण 3. विष्णुपुराण 4. अग्निपुराण 5. गरुड़पुराण का सामान्य परिचय।

अनुषंसित ग्रन्थ

1. पुराणविमर्षः आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

चतुर्थ सत्र

सप्तम पत्र :– गीता, शुकनासोपदेष तथा समास। पूर्णांकः–50

(BA. SKT. 0407)

क) श्रीमद्भगवद्गीता (17वां अध्याय) (10)

गीता के 17वें अध्याय से संबधित व्याख्यात्मक प्रष्न भी पूछे जाएंगे।

ख) शुकनासोपदेष– (20)

(षुकनासोपदेष से सरलार्थ एवं प्रष्न)

ग) समास प्रकरण (10)

अव्ययीभाव, द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि समास लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार। सूत्र सहित आवष्यक है।

घ) लिंगानुषासनम् (मध्यसिद्धान्तकौमुदी स्त्री प्रत्ययों सहित) (5)

ड) अनुवादः सरल हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. श्रीमद्भगवद् गीता, गीता प्रैस गोरखपुर।
2. शुकनासोपदेष, बाणभट्ट, चौखम्बा सस्ंकृत सीरीज, वाराणसी, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी– वरदराज
4. मध्यसिद्धान्त कौमुदी– वरदराज
5. शुकनासोपदेष (आलोचनात्मक संस्करण) डॉ० राजेष्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाषन, इलाहाबाद।

(BA. SKT. 0408) **अष्टम पत्र :– उपनिषद् बोध** **पूर्णांकः–50**

क) ईषावास्योपनिषद् (25)

ख) केनोपनिषद् (25)

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. ईषावास्योपनिषद्, शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।
2. केनोपनिषद्, शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।

(BA. SKT. 0409) **नवम पत्र :– व्याकरण बोध** **पूर्णांकः–50**

क) त्रिमुनि (पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि) वैय्याकरणों का परिचय– (10)

ख) सुबन्त (अजन्त) प्रकरण (20)

ग) तिङन्त प्रकरण (20)

भू, अद्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रूध्, क्री, चुर् (प्रत्येक गण की प्रथम धातु की रूप–सिद्धि।

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी –वरदराज – शारदारंजन रे, 1950
2. संस्कृत व्याकरण– श्रीधर वासिष्ठ।

पंचम सत्र

(BA. SKT. 0510) दषम पत्रः– अभिज्ञानषाकुन्तलम् तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास **पूर्णांकः 50**

क) अभिज्ञानषाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) (30)

समस्त नाटक का सरलार्थ तथा वर्ण्य विषय से सम्बन्धित प्रष्न

ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास (30)

1. वैदिक संहिताओं एंव रामायण तथा महाभारत का सामान्य परिचय (10)
2. भास, कालिदास , बाणभटट्, भारवि, माघ, भर्तृहरि, दण्डी एंव जयदेव।

(उक्त कवियों की रचनाओं का समान्य परिचय)

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. अभिज्ञानषाकुन्तलम्– कालिदास, बाबूराम पाण्डेय, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय।

भारतीय दर्षन

एकादष पत्रः– (BA. SKT.0511) **पूर्णांक : 50**

(क) तर्कसंग्रह (25)

(ख) षड्दर्षनों का सामान्य परिचय (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. सर्वपल्ली राधा कृष्णन् – इण्डियन फिलॉसफी भाग 1–2
2. उमेष मिश्र – भारतीय दर्षन
3. बलेदव उपाध्याय – भारतीय दर्षन
4. दत्त तथा चटर्जी – भारतीय दर्षन की भूमिका
5. तर्कसंग्रह – अन्नंभट्ट

आधुनिक संस्कृत साहित्य

द्वादष पत्रः– (BA. SKT. 0512) **पूर्णांक : 50**

(क) राष्ट्रपथ प्रदर्षनम् – दुर्गादत्त शास्त्री
(1–12 अध्याय)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. राष्ट्रपथप्रदर्षनम्, लेखक एवं प्रकाषक दुर्गादत्त शास्त्री, नलेटी, देहरा गोपीपुर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेष।

षष्ठ सत्र

त्रयोदष पत्रः– काव्यदीपिका, निबन्ध एवं प्रत्यय बोध
(BA. SKT.0 613) **पूर्णांकः 50**

(क) काव्यदीपिका
1. प्रथम षिखा, द्वितीया षिखा (काव्यप्रयोजन, लक्षण एवं शब्दषक्तियाँ) (15)
2. अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, स्वभावोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विषेषोक्ति। (10)

(ख) निबन्ध (संस्कृत में) (10)
एक लघु निबन्ध पूछा जाएगा।

(ग) प्रत्यय (कृत्, तद्धित, स्त्री)
1. कृत् प्रत्यय – क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, तव्यत्, अनीयर। (5)
2. तद्धित प्रत्यय – मतुप्, इनि, ठक्, त्व, तल। (5)
3. स्त्री प्रत्यय – टाप्, डाप्, चाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्। (5)
लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. काव्यदीपिका – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य।
2. काव्यदीपिका – डॉ० ओम प्रकाष शर्मा, किरण बुक डिपो बिलासपुर, हि० प्र०
3. संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वासिष्ठ।
4. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर – डॉ० षिवप्रसाद भारद्वाज, अषोक प्रकाषन, दिल्ली, 1977।

अर्थषास्त्र तथा धर्मषास्त्र

चतुर्दष पत्रः– (BA. SKT. 0614) **पूर्णांक : 50**

(क) कौटिल्य अर्थषास्त्र (25)
विनयाधिकारिक : प्रथम अधिकरण

(ख) मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) (25)
(धर्म, संस्कार, ब्रह्मचारी–धर्म)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. कौटिल्य अर्थषास्त्रम् ; वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 2006।
2. मुनस्मृति – टीकाकार, डॉ० रामचन्द्र वर्मा शास्त्री, प्रकाशक : विद्याविहार, नई दिल्ली, संस्करण 1997।
3. मनुस्मृति, मनुप्रणीत श्री कुलूकभट्टप्रणीत मन्वर्थमुक्तावली टीका सहित, व्याख्याकार : पं० हरगोविन्द शास्त्री, सम्पादक : श्री पं० गोपाल शास्त्री नेने, प्रकाषक : चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 221001।
4. धर्मषास्त्र का इतिहास – पी० वी० काणे (अनुवादक अर्जुन चौबे कष्यप) 1975।

Structure Outline of Minor Elective in SANSKRIT for other than Major SANSKRIT Students (Minimum Credits to be Earned=20)

Part - II

Semester	Course Code	Course Name	Course Name	Credit(s)	Cumulated Credits Category-wise
I (Odd)		Compulsory Course I		3	Compulsory – 6 Core – 8 **Minor Elective 1(a) – 4(4)** Minor Elective 1(b)=4 Total Minor Electives – 8 (8) GI & H – 1 Total – 23
		Compulsory Course II (Skill Based)		3	
		Major Core Course I		4	
		Major Core Course II		4	
	BASKT 01**01**	**Minor Elective Course I (a)**	Sanskrit Bhasha Naipunya-1 Hitoupdesh avam Vyakarn Bodh	4	
	BASKT 01**02**	Minor Elective Course I (b)	Dharam Shastra Tatha Bhartiya Sanskriti	4	
		GI and H Course I		1	
II (Even)		Compulsory Course III		3	Compulsory – 6 (12) Core – 8 (16) **Minor Elective 1I(a) – 4 (8)** Minor Elective 1I(b) – 4 (8) Total Minor Electives – 8 (16) GI & H – 1 (2) Total 23 (46)
		Compulsory Course IV(Skill Based)		3	
		Major Core Course III		4	
		Major Core Course IV Optics		4	
	BASKT 02**03**	**Minor Elective Course II (a)**	Sanskrit Bhasha Naipunya-2 Swavanpan Vasvadattam avam Vyakarn Bodh	**4**	
	BASKT 02**04**	Minor Elective Course II (b)	Sanskrit Mein Vajyanic Sahitya	4	
		GI and H Course II		1	
III (Odd)		Compulsory Course V		3	Compulsory – 6 (18) (Complete) Core – 8 (24) **Minor Elective III(a) – 4 (12)** Minor Elective III(b) – 4 (12) Elective – 8 (24) GI & H – 1 (3) (Complete) Total 23 (69)
		Compulsory Course VI		3	
		Major Core Course V		4	
		Major Core Course VI	------	4	
	BASKT 03**05**	**Minor Elective Course III (a)**	Sanskrit Bhasha Naipunya-3 Raguvanshm tatha Vachya avam Chand Prakaran	**4**	
	BASKT 03**06**	**Minor Elective Course III (b)**	Puranic Sahitya	1	

Semester	Course Code	Course Name	Course Name	Credit(s)	Cumulated Credits Category-wise
		GI and H Course III			
IV (Even)		Major Core Course VII	------	4	Core – 12 (36) **Minor Elective IV(a) – 4 (16)** Minor Elective IV(b) – 4 (16) Total Minor Electives – 8 (32) Core / Elective (additional) - 4 Total 24 (93)
		Major Core Course VIII	------	4	
		Major Core Course IX	------	4	
	BASKT 04**07**	**Minor Elective Course IV (a)**	Sanskrit Bhasha Naipunya-4 (Geeta, Shuknasokpdesh tatha Samas)	**4**	
	BASKT 04**08**	Minor Elective Course IV (b)	Upanishad Bodh	4	
		Core / Elective Course			
V (Odd)		Major Core Course X	------	4	Core – 12 (48) **Minor Elective V(a) – 4 (20)** Minor Elective V(b) – 4 (20) Total Minor Electives – 8 (40) (Complete) Core / Elective (additional) - 4 Total 24 (117)
		Major Core Course XI	------	4	
		Major Core Course XII	------	4	
	BASKT 05**09**	**Minor Elective Course V(a)**	Sanskrit Bhasha Naipunya-5 Abigyanshakuntlalm tatha Sanskrit Sahitya ka Itihas	**4**	
	BASKT 05**10**	Minor Elective Course IV (c)	Vyakrna Bodh	4	
		Core / Elective Course (Additional)*			
VI (Even)		Major Core Course XIII	------	4	Core – 8 (56) Core / Elective (additional) – 20* Total 28 (145)
		Major Core Course XIV	------	4	
	BASKT 05**11**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-6 Kavya Deepika Nibandh avam Pratya Bodh	4	
		Core / Elective Course (Additional)*		4	
		Core / Elective Course (Additional)*		4	
		Core / Elective Course (Additional)*		4	

Semester	Course Code	Course Name	Course Name	Credit(s)	Cumulated Credits Category-wise
		Core / Elective Course (Additional)*		4	

बी० ए० संस्कृत (गौण वैकल्पिक पाठ्यक्रम)

Minor (Elective) Course

प्रथम सत्र

प्रथम पत्र :– संस्कृत भाषा नैपुण्य–1

(BA. SKT. 0101)

प्रथम सत्र

प्रथम पत्रः– हितोपदेष एवं व्याकरण बोध **पूर्णांकः 50**

खण्ड–1 हितोपदेष प्रस्तावना सहित (मित्रलाभ) (25)

हितोपदेश का सामान्य परिचय एंव मित्रलाभ की विस्तृत व्याख्या।

(दो अष्लील कथाओं को छोड़कर)

खण्ड–2 व्याकरण बोध (25)

क) शब्दरूप (5)

राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, फल, मधु, आत्मन्, वाक्, अस्मद्, युस्मद्, तद् (तीनों लिंगों में)। (5)

ख) धातुरूप

पठ्, भू, अस, हन्, दृष्, दिव्, प्रच्छ्, चुर् सेव, पा धातुएं (लट्, लङ्, लट्, लोट् तथा विधिलिङ् लकारों में)।

ग) प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान (5)

घ) स्वर–सन्धि (5)

दीर्घ, गुण, यण्, वृद्धि, अयादि (सूत्र सहित आवष्यक है।)

ड) अनुवाद – पाँच सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुवाद में पाठ्यपुस्तक से दो सूक्तियों का प्रयोग अनिवार्य होगा।

अनुषंसित ग्रन्थः–

5. संस्कृत व्याकरण –श्रीधर वासिष्ठ
6. लघु सिद्धान्तकौमुदी– शारदारंजन रे, 1954
7. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–1 महादेव दामोदर साठे, प्रकाषन सखाराम आप्टे, संस्कृत पाठषाला पुणे।
8. हितोपदेष (मित्रलाभ)– नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, दिल्ली अथवा डॉ० भूषण लाल शर्मा नीलम पब्लिषर्ज

द्वितीय पत्र :– धर्मषास्त्र तथा भारतीय संस्कृति। पूर्णांकः 50

(BA. SKT. 0102)

1. याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय) (25)

   (इसमें हिन्दी व्याख्या एवं विषयपरक प्रष्न पूछे जाएंगे)

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति (25)

   क) पुरूषार्थ– चतुष्ट्य

   ख) ईष्वर जीव प्रकति

   ग) षिक्षा प्रणाली

   घ) वर्णाश्रम व्यवस्था

अनुशंसित ग्रन्थः–

6. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व –डॉ० इन्दुमती मिश्रा, भारतीय प्रकाषन चौक कानपुर।
7. एलिमैंन्ट्स ऑफ हिन्दू कल्चर एंड संस्कृत सिविलाइजेषन– पी० के० आचार्य
8. भारतीय संस्कृति –डॉ० षिवदत्त ज्ञानी
9. आर्य संस्कृति के मूलाधार– डॉ० बलदेव उपाध्याय
10. याज्ञवल्क्यस्मृति, याज्ञवल्क्य प्रणीत, मिताक्षर एवं हिन्दी व्याख्या, उमेष चन्द्र पाण्डेय

द्वितीय सत्र
संस्कृत भाषा नैपुण्य–2

तृतीय पत्रः– स्वप्नवासवदत्तम् एंव व्याकरण बोध पूर्णांकः50

(BA. SKT. 0203)

3. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) सम्पूर्ण (25)

4. व्याकरण बोध (25)

क) शब्दरूप (5)

पति, मातृ, मति, धेनु, वारि, महत्, दण्डिन्, सरित्, जगत्, राजन् एवं सर्व, एतत्, यत्, (सर्व नाम शब्द तीनों लिङ्गों में)।

ख) धातुरूप (5)

पच्, कृ, अद्, तन्, हु, क्री, गम्, धाव्, लिख्, क्रीड्, पत्।

(लट्, लड्, लृट्, लोट् तथा विधिलिंङ् लकारों में)

ग) संज्ञा–प्रकरण (5)

(इत्, लोप, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग एवं पद संज्ञा)

सूत्र स्मरण आवष्यक है।

घ) कारक प्रकरण (सम्पूर्ण) (5)

(लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

ङ) अनुवाद (5)

पांच सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद पूछा जाएगा।

अनुशंसित ग्रन्थ :

4. बृहद्रचनानुवादकौमुदी– कपिलदेव द्विवेदी
5. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. स्वप्नवासवदत्तम् भास, डॉ० डी० के० गुप्त, मेहरचन्द लच्छमणदास, प्रकाषन दिल्ली अथवा एम० आर० काले, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

चतुर्थ पत्रः– संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य : सामान्य परिचय पूर्णांकः50

(BA. SKT. 0204)

(क) गणित –ज्योतिष (10)

(ख) आयुर्वेद (15)

(ग) वास्तुकला (15)

(घ) संस्कृत में पर्यावरण (10)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृत में विज्ञान, डॉ० विद्याधर शर्मा गुलेरी, संस्कृत भारती देहली, 2000.

2. Science in Sanskrit, Sanskrit Bharti, Delhi

तृतीय सत्र
संस्कृत भाषा नैपुण्य–3

पंचम पत्रः– रघुवंष तथा वाच्य परिवर्तन एवं छन्द–प्रकरण पूर्णांकः 50

(BA. SKT. 0305)

क) रघुवंष (प्रथम सर्ग) (25)

कालिदास एवं रघुवंष का सामान्य परिचय

ख) वाच्य परिवर्तन (10)

(कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य)

ग) छन्द–प्रकरण (वृत्तरत्नाकर) (10)

अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, षिखरिणी, मन्दाक्रान्ता शार्दूलविक्रीडित, वंषस्थ, पंचचामर, वसन्ततिलका।

नोटः– छन्दों के लक्षण, उदाहरण एवं संगति अपेक्षित है।

घ) अनुवाद– सरल अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुंशसित ग्रन्थ

4. रघुवंषम्, कालिदास, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी, दिल्ली।
5. अनुवाद–चन्द्रिका, चक्रधर हंस, मोतीलाल बनारसीदास, जवाहर नगर दिल्ली।
6. वृत्तरत्नाकर

षष्ठ पत्रः– पौराणिक साहित्य

(BA. SKT. 0306) **पूर्णांकः 50**

2. ब्रह्मपुराण 2. श्रीमद्भागवत पुराण 3. विष्णुपुराण 4. अग्निपुराण 5. गरुड़पुराण का सामान्य परिचय।

अनुषंसित ग्रन्थ

2. पुराणविमर्षः आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

चतुर्थ सत्र

संस्कृत भाषा नैपुण्य–4

सप्तम पत्र :– गीता, शुकनासोपदेष तथा समास। **पूर्णांकः 50**

(BA. SKT. 0407)

क) श्रीमद्भगवद्गीता (17वां अध्याय) (10)

गीता के 17वें अध्याय से संबधित व्याख्यात्मक प्रष्न भी पूछे जाएंगे।

ख) शुकनासोपदेष– (20)

(षुकनासोपदेष से सरलार्थ एवं प्रष्न)

ग) समास प्रकरण (10)

अव्ययीभाव, द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि समास लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार। सूत्र सहित आवष्यक है।

घ) लिंगानुषासनम् (मध्यसिद्धान्तकौमुदी स्त्री प्रत्ययों सहित) (5)

ड) अनुवादः सरल हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुशंसित ग्रन्थ

6. श्रीमद्भगवद् गीता, गीता प्रैस गोरखपुर।
7. शुकनासोपदेष, बाणभट्ट, चौखम्बा सस्कृत सीरीज, वाराणसी, दिल्ली
8. लघुसिद्धान्त कौमुदी– वरदराज
9. मध्यसिद्धान्त कौमुदी– वरदराज
10. शुकनासोपदेष (आलोचनात्मक संस्करण) डॉ० राजेष्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाषन, इलाहाबाद।

(BA. SKT. 0408) अष्टम पत्र :– उपनिषद् बोध पूर्णांकः–50

क) ईषावास्योपनिषद् (25)

ख) केनोपनिषद् (25)

अनुशंसित ग्रन्थः–

3. ईषावास्योपनिषद्, शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।
4. केनोपनिषद्, शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।

पंचम सत्र

संस्कृत भाषा नैपुण्य–5

(BA. SKT. 0509) नवम पत्रः– अभिज्ञानषाकुन्तलम् तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास पूर्णाकः50

क) अभिज्ञानषाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) (30)

समस्त नाटक का सरलार्थ तथा वर्ण्य विषय से सम्बन्धित प्रष्न

ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास (10)
3. वैदिक संहिताओं एंव रामायण तथा महाभारत का सामान्य परिचय (10)
4. भास, कालिदास , बाणभटट्, भारवि, माघ, भर्तृहरि, दण्डी एंव जयदेव।
(उक्त कवियों की रचनाओं का समान्य परिचय)

अनुशंसित ग्रन्थः–

3. अभिज्ञानषाकुन्तलम्– कालिदास, बाबूराम पाण्डेय, साहित्य भण्डार मेरठ।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय।

(BA. SKT. 0510) दषम पत्र :– व्याकरण बोध पूर्णांकः–50

क) त्रिमुनि (पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि) वैय्याकरणों का परिचय– (10)

ख) सुबन्त (अजन्त) प्रकरण (20)

ग) तिड्न्त प्रकरण (20)

भू, अद्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रूध्, क्री, चुर् (प्रत्येक गण की प्रथम धातु की रूप–सिद्धि।

अनुशंसित ग्रन्थः–

3. लघुसिद्धान्त कौमुदी–वरदराज – शारदारंजन रे, 1950
4. संस्कृत व्याकरण–श्रीधर वासिष्ठ।

षष्ठ सत्र

संस्कृत भाषा नैपुण्य–6

एकादष पत्रः– काव्यदीपिका, निबन्ध एवं प्रत्यय बोध

(BA. SKT.0 511) पूर्णांकः 50

(क) काव्यदीपिका

1. प्रथम षिखा, द्वितीया षिखा (काव्यप्रयोजन, लक्षण एवं शब्दषक्तियाँ) (15)
2. अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, स्वभावोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विषेषोक्ति। (10)

(ख) निबन्ध (संस्कृत में) (10)

एक लघु निबन्ध पूछा जाएगा।

(ग) प्रत्यय (कृत्, तद्धित, स्त्री)

1. कृत् प्रत्यय – क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, तव्यत्, अनीयर। (5)
2. तद्धित प्रत्यय – मतुप्, इनि, ठक्, त्व, तल। (5)
3. स्त्री प्रत्यय – टाप्, डाप्, चाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्। (5)

लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. काव्यदीपिका – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य।
2. काव्यदीपिका – डॉ० ओम प्रकाष शर्मा, किरण बुक डिपो बिलासपुर, हि० प्र०
3. संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वासिष्ठ।
4. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर – डॉ० षिवप्रसाद भारद्वाज, अषोक प्रकाषन, दिल्ली, 1977।

***Additional Elective Courses offered by SANSKRIT Department (can be chosen for earning credits over and above 56 Major subject credits, 40 Minor elective credits, 9 Compulsory course credits and G I & H Course credits)**

Part -III

Semester	Course Code	Course Type	Course Name	Credit(s)	Cumulated Credits Category-wise
V / VI	BASKT 56**12**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-7 Niti Shastra avam Natak	4	
V / VI	BASKT 56**13**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-8 Padya avam Gadya Sahitya	4	
V / VI	BASKT 56**14**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-9 Gadya avam Champu Kavya	4	
V / VI	BASKT 56**15**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-10 Veda	4	
V / VI	BASKT 56**16**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-11 Shikha avam Niti Sahitya	4	
V / VI	BASKT 56**17**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-12 Natya Shastra avam Kavyam	4	
V / VI	BASKT 56**18**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-13 Bhasha Vijyan	4	
V/VI	BASKT 56**19**	Core / Elective Course (Additional)*	Sanskrit Bhasha Naipunya-14 Sanskrit Sahitya ka Itihas		

Additional Elective Courses offered by SANSKRIT Department (can be chosen for earning credits and above 56 Major subject credits, 40 Minor elective credits)

सप्तम पत्र :– संस्कृत भाषा नैपुण्य–7

(BA. SKT. V/VI -5612) **नीतिशास्त्र एवं नाटक** **पूर्णांकः 50**

(क) नीतिशतक (25)

(ख) नागानन्द (नाटक) श्री हर्ष प्रणीतम् (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. भर्तृहरि शतक ; (रुपान्तर) विवेक मोहन, राजा पाकेट बुक्स, बुराड़ी दिल्ली, 2001
2. नीतिशतक भर्तृहरि (आलोचनात्मक संस्करण) डॉ० राजेष्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाषन, इलाहाबाद।
3. नागानन्द श्री हर्ष विरचित

अष्टम पत्र :– संस्कृत भाषा नैपुण्य–8

(BA. SKT. V/VI -5613) **पद्य एवं गद्य साहित्य** **पूर्णांक : 50**

(क) मेघदूतम् (25)

(मेघदूतम् के पद्यों की हिन्दी व्याख्या तथा विषय से सम्बन्धित प्रश्न)

(ख) शिवराज–विजय (25)

(प्रथम निःष्वास)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. मेघदूतम् महाकवि कालिदास प्रणीतम् (आलोचनात्मक संस्करण) डॉ० राजेष्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाषन, इलाहाबाद।

2. षिवराजविजय ; डॉ० रुपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाषन जयपुर 2007.

नवम पत्र :– संस्कृत भाषा नैपुण्य–9

(BA. SKT. V/VI -5614) **गद्य, एवं चम्पू काव्य** **पूर्णांक : 50**

(क) दषकुमारचरितम् (पूर्व–पीठिका एवं विश्रुतचरित) (25)

(ख) भारतचम्पू (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. दषकुमारचरितम् : (टीका), विष्वनाथ झा मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 1972
2. चम्पू भारतम् (सम्पा०) : नारायण राम आचार्य, मुन्षी राम मनोहर लाल पब्लिर्षस, 1983

दषम पत्र :– संस्कृत भाषा नैपुण्य–10

(BA. SKT. V/VI -5615) **वेद** **पूर्णांक : 50**

(क) ऋग्वेद (हिरण्यगर्भ तथा पुरूष सूक्त) (20)

(ख) यजुर्वेद (षिव संकल्प सूक्त) (10)

(ग) अथर्व वेद (भूमिसूक्त) (20)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. ऋक्सूक्त संग्रह ; (व्याख्याकार) डॉ० हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार सुभाष बजार मेरठ।
2. वैदिक सूक्त मुक्तावली ; (सम्पादक) डॉ० लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाषन जयपुर, 2005।

एकादष पत्रः– **संस्कृत भाषा नैपुण्य–11**

(BA. SKT. V/VI -5616) **शिक्षा एवं नीति साहित्य** **पूर्णांक : 50**

(क) पाणिनीय षिक्षा (25)

(ख) विदुर नीति (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. पाणिनीय षिक्षा : (व्याख्याकार) नारायण मिश्र, प्रकाषक–चौखम्बा पब्लिसर्ज, वाराणसी।
2. विदुर नीति : (व्याख्याकार) डॉ० गुंजेष्वर चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी।

द्वादष पत्र :– **संस्कृत भाषा नैपुण्य–12**

(BA. SKT. V/VI -5617) **नाट्य शास्त्र एवं काव्य** **पूर्णांक : 50**

(क) काव्यदीपिका (रीति एवं रस से सम्बन्धित षिखायें) (25)

(ख) यक्ष युधिष्ठिर–संवाद (महाभारत वनपर्व) (25)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. काव्यदीपिका : कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य।
2. महाभारत : महर्षि व्यासप्रणीतम्।

संस्कृत भाषा नैपुण्य–13

त्रयोदष पत्रः– **भाषा–विज्ञान**

(BA. SKT.V/VI- 5618) **पूर्णांक : 50**

1. संस्कृत का वर्ण समाम्नाय (प्रत्याहार–सूत्र)

   1.1 स्वर, स्वरों का वर्गीकरण एकमात्रिक, द्विमात्रिक, त्रिमात्रिक।

   1.2 व्यंजन, व्यंजनों का वर्गीकरण (स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म)

2. उच्चारण स्थान तथा प्रयत्न

3. भाषा तथा वाक् की परिभाषा, भाषा तथा वाक् में अन्तर, वाक् के विभिन्न रूप, यथा– परा, पश्यन्ती, मध्यमा, बैखरी।

4. भाषा–विज्ञान के अंग यथा–वर्ण–विज्ञान, पद–विज्ञान, वाक्य–विज्ञान, शब्द तथा अर्थ का सम्बन्ध।

4.1 वाक्य की परिभाषा, अभिहितान्यवाद तथा अन्विताभिधानवाद का विस्तृत विवरण।

5. भाषा की विशेषताएं अथवा प्रवृत्तियां।

6. भाषा की उपयोगिता।

7. भाषा के विविध रूप जैसे–बोली, उपबोली, विभाषा, अपभाषा, व्यावसायिक भाषा, कूट–भाषा, कृत्रिम भाषा, मिश्रित भाषा, साहित्यक भाषा इत्यादि।

8. भाषा की परिवर्तनशीलता के प्रमुख कारण तथा दिशायें।

   8.1 बाह्य कारण, जैसे– भौगोलिक प्रभाव, ऐतिहासिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, साहित्यिक प्रभाव, वैयक्तिक प्रभाव, सामाजिक प्रभाव, वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रभाव इत्यादि।

   8.2 आभ्यन्तर कारण, जैसे– प्रयत्न–लाघव, आगम, लोप, विकार, विपर्यय, समीकरण, विषमीकरण, स्वरभक्ति, भावातिरेक, बल, अपूर्ण–अनुकरण, सादृश्य, इच्छित परिवर्तन।

9. कारक की परिभाषा, कारक तथा विभक्ति में अन्तर।

9.1 कर्मकारक के भेद (उदाहरण सहित)

9.2 सम्प्रदान कारक के भेद (उदाहरण सहित)

9.3 अधिकरण कारक के भेद (उदाहरण सहित)

10. भारत वर्ष में भाषा–विज्ञान का इतिहास

10.1 पाणिनि पूर्वकाल, जैसे–शिक्षा ग्रंथ, प्रतिसाख्य, निरूक्त, व्याकरर्ण।

10.2 पाणिनि तथा अष्टाध्यायी का सामान्य परिचय।

10.3 कात्यायन वार्तिककार का सामान्य परिचय।

10.4 पतंजलि तथा महाभाष्य का संक्षिप्त परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्री वरदराजकृत, व्याख्याकार एवं सम्पादक : श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, वाराणसी पटना।
2. बृहद्अनुवादचन्द्रिका, चक्रधर 'हंस' नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. बृहद्रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी।
4. कारक–प्रकरणम्, श्रीमद्भट्टोजिदीक्षित विरचित, हिन्दी व्याख्याकार, श्रीधरानन्द घिण्डियाल, मोतीलाल बनारसीदास।

संस्कृत भाषा नैपुण्य–14

चतुर्दष पत्रः– संस्कृत साहित्य का इतिहास

(BA. SKT.V/VI- 5619) **पूर्णांक : 50**

(क) महाकाव्यों का सामान्य परिचय –25
अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, कुमारदास इत्यादि

(ख) नाट्य–साहित्य –25
कालिदास, भास, अष्वघोष, भवभूति, शूद्रक, विषाखदत्त

(उक्त कवियों तथा नाट्ककारों से सम्बन्धित रचनाओं का वर्णन)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा–बलदेव उपाध्याय चौखम्बा विद्याभवन।

(अनिवार्य पाठ्यक्रम–संस्कृत) 2013–14 Onward

Compulsory Course-1
(प्रथम पाठ्यक्रम)

अंक–50

1) पंचतन्त्र

(25)

अपरीक्षितकारकम् (अष्लील कथाओं को छोड़कर)

1) व्याकरण

1) शब्द रूप : राम, हरि, पति, गुरु, रमा, नदी, वधू, फल, राजन् पयस्, अस्मद्, युष्मद्।

(7)

2) धातु रूप : भू, पठ्, अस्, वद्, लिख्, दृष्, भक्ष्, कथ्, नृत्, क्रीड्। (7)

3) सन्धि : स्वरसन्धि (सम्पूर्ण)। (6)

4) संस्कृत व्यवहार साहस्री (केवल सौ वाक्य) (5)

Compulsory Course-II
(द्वितीय पाठ्यक्रम)

अंक–50

श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) (25)

(गीता का सामान्य परिचय एवं द्वितीय अध्याय की विषयवस्तु पर आधारित प्रष्न)

व्याकरण

1) शब्दरूप – बालक, कवि, भानू, लता, पितृ, आत्मन्, वाक् (किम्, इदम्, एतत्, तत्) सर्वनाम शब्दों के रूप तीनों लिंङ्गों में। (7)

2) धातुरूप – धाव्, नम्, सेव्, पत्, स्था, गम्, चुर्, कृ, पच्, पा (पिब्) (7)
(उभयपदी धातुओं के केवल परस्मैपदी रूप)

3) सन्धि – व्यंजन–सन्धि (श्चुत्व, ष्टुत्व, जषत्व, चर्त्व, छत्व, पदान्त–अपदान्त)

(6)

4) व्यावहारिक शब्दावली (सौ शब्द) (5)

Compulsory Course-III
(तृतीय पाठ्यक्रम)

अंक–50

1. चाणक्य–नीति (25)
2. व्याकरण :
   1) विसर्ग–सन्धि (10)
   2) कारक–प्रकरण (कर्ता, कर्म, करण और सम्प्रदान कारकों का सामान्य परिचय (10)
   3) अनुवाद : पाँच सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद (5)

Compulsory Course-IV
(चतुर्थ पाठ्यक्रम)

अंक–50

1. केनोपनिषद् (25)
2. व्याकरण :
   1) वाच्य (कर्तृ, कर्म एवं भाववाच्य) (7)
   2) स्त्री–प्रत्यय (टाप्, डाप्, चाप्, ङीप्, ङीष्, और ङीन्) (7)
   3) कारक : अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण कारक : सामान्य परिचय (6)
   4) अनुवाद : पाँच सरल वाक्यों का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (5)

Compulsory Course-V
(पंचम पाठ्यक्रम)

अंक–50

1. पातंजल योगसूत्र (साधनापाद) (25)
2. व्याकरण :
   1) समास (अव्ययी भाव, तत्पुरुष) (10)
   2) कृदन्त प्रत्यय : शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन, अनीयर् (10)
   3) अनुवाद :
      पाँच–पाँच सरल वाक्यों का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (5)

Compulsory Course-VI
(षष्ठ पाठ्यक्रम)

अंक : 50

1. संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य (25)

1) खगोल शास्त्र और गणित
2) आयुर्वेद
3) कृषिविज्ञान
4) पर्यावरण–विज्ञान

व्याकरण

1) समास (बहुब्रीहि और द्वन्द्व समास) (15)

2) तद्धित प्रत्ययः मतुप् , इन्, ठक्, त्व, तल् (5)

3) अनुवाद : (5)

पाँच सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद

General Interest and Hobby Course

पाठ्यक्रम 1. भारतीय संस्कृति

1. संस्कृति का शाब्दिक अर्थ
2. संस्कृति की परिभाषा
3. बुद्धि की महिमा (इन्द्रियाँ एवं अन्तःकरण)
4. कर्म सिद्धान्त
5. धर्म
6. अहिंसा
7. गुरु षिष्य परम्परा
8. पुरुषार्थ चतुष्ट्य
9. वर्णाश्रम व्यवस्था
10. सोलह संस्कार
11. राष्ट्रीय एकता

अनुषंसित ग्रन्थ :

1. भारतीय संस्कृति ; साने गुरुजी, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाषन, नई दिल्ली, 2006

पाठ्यक्रम 2. संस्कृत वाङ्मय में नैतिक षिक्षाएँ

1. नैतिकता से अभिप्राय
2. लोक व्यवहार में नैतिक मूल्य
3. विष्णु शर्मा की नैतिक कथाएँ

अनुषंसित ग्रन्थ :

1. पंचतन्त्र ; विष्णु शर्मा
2. अपरीक्षित कारकम्

SANSKRIT DEPARTMENT

HIMACHAL PRADESH UNIVERSITY

OUT LINE OF SYLLABI AND COURSES OF READING
IN THE SUBJECT OF SANSKRIT FOR B.A. WITH MAJOR IN SANSKRIT AND MINOR ELECTIVE IN SANSKRIT
(2013-2014 onwards)

COURSE: INTRODUCTION TO SANSKRIT (0101)

Course Code	**B.A 0101**		
Credits-4	**L**	**T**	
	45	**15**	
Course Type	**Core/ Elective**		
Lectures to be Delivered	**60**		

Course Objective:

The purpose of this course is to introduce students to some of the basic concepts in Sanskrit.

i) Continuous Comprehensive Assessment (CCA) Pattern:

Minor Test* (Marks)		**Class Test/ Tutorials/Assignments (Marks)**	**Quiz/Seminars (Marks)**	**Attendance**	**Total Marks**
Test 1	15	10	5	5	**50**
Test 2	15				
Total	**30**	**10**	**5**	**5**	

* The pattern of question paper for conducting minor test will be same as prescribed for end of semester examination.

ii) Semester End Examination System:

Maximum Marks Allotted	**Minimum Pass Marks**	**Time Allotted**
50	**23**	**3.0 rs**

iii) Paper Setting Scheme

Section	**No of Questions**	**Syllabus Coverage**	**Nature of Questions and Answers**	**Questions to be Attempted**	**Maximum Marks**
A	10 (1 mark each)	Complete	Objective Type	10	10
B	5(2 marks each)	Complete	Short answer type (25 words)	5	10
C	10(3 marks each)	Complete	Medium answer type (50 words)	5	15
D	3(15 marks each)	Complete	Long answer type (1000 words)	1	15